राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा

राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा

प्रधान कार्यालय– 32/2, सैक्टर-23, रोहिणी, नई दिल्ली-85 दूरभाष : 09810485231

प्रान्तीय कार्यालय–आर्यसमाज भवन, शिवाजी कालोनी, रोहतक (हरियाणा) दूरभाष : 09215909666

क्रमांक..... दिनांक.....

2/10/2017

आर्यों! आर्याओं !

नमस्ते जी |

राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा हरियाणा ने दिनांक-२अक्टुबर २०१७ को "आर्या गुरुकुल महाविद्यालय" के निर्माण के सम्बन्ध में एवं रोहतक में गुरुकुल हेतु प्राप्त भूमि पर आ रही भवन निर्माण सम्बन्धी कठिनाई के सम्बन्ध में एक पांच सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है, जिसमें हैं-१.श्री वीरेंद्र आर्य (छारा) अध्यक्ष-राष्ट्रीय आर्य क्षत्रिय सभा,२.श्री कृष्ण आर्य 'कोच' (हिसार),३.श्री सुरेन्द्र आर्य 'अध्यापक'(जौन्ती, दिल्ली)४.श्री जयवीर आर्य (माहरा, सोनीपत),५.श्री मीर सिंह आर्य (रोहतक)को चयनित किए गया है। इससे पूर्व आर्य निर्मात्री सभा ने भूमि के सी.एल.यू. की प्राप्ति हेतु पूर्ण पुरुषार्थ किया है,और कर रही है ।अन्य विभागों के साथ-साथ मुख्यमंत्री हरियाणा के पास आजतक भी फाइल विचाराधीन है। फिर भी कुछ लोग कानून को ताक पर रखकर करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाले गुरुकुल को बना डालो वाली बातें करते रहते हैं ,और बे-सिर-पैर की सलाह देते रहते हैं। सभा द्वारा चयनित यह समिति इस भूमि से सम्बन्धित निर्णय और उसके क्रियान्वयन हेतु अधिकृत है ।आर्य निर्मात्री सभा का एक विभाग आर्या गुरुकुल है । इसकी 4 शाखाओं (हरियाणा, उ०प्र० , दिल्ली) में पठन-पाठन और कक्षाएं चल रहीं हैं । लगभग 200 आर्याएं इस गुरुकुल में शिक्षा ले रहीं हैं । इनके 3-4 सेमेस्टर हो चुके हैं । इसमें भी हजारों रुपया व्यय हो ही रहा है । भवन बनाने की भी रूपरेखा चल रही है । कुछ आर्य- आर्याओं ने इस निमित्त दान भी दिया है । दान की वापिसी नहीं होती है । ("यत्स्वसत्वनिवृत्तिपूर्वकं परसत्वोत्पादनं तद्दानं भवति अर्थात्-दान कहते हैं,किसी वस्तु के विषय में अपने स्वामीपन को छोड़ते हुए,दूसरे के स्वामीपन को उत्पन्न करना"-ऋषि दयानन्द।) किंतु पुनरपि-यदि किसी की "आर्य निर्मात्री सभा" के प्रति निष्ठा नहीं रह गयी हो, और 100-1000 रू०आदि गुरुकुल के निमित्त दिया हुआ दान वापस माँगना चाहते हों ,तो रसीद वापिस करके आर्या सुयशा जी 'अधिवक्ता' सागरपुर, दिल्ली से लिखित में कारण बताकर सभा से दान ले

सकते हैं।१५ नवम्बर २०१७ तक इस अविस्मरणीय, विशिष्ट, सुअवसर का लाभ उठा सकते हैं। इसके बाद आन्तरिक आडिट की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी।"आर्य निर्मात्री सभा" विद्या के प्रचार-प्रसार हेतु पवित्रतम संगठन है और रहेगा । कथमपि व्यापार हेतु नहीं है। धन्यवाद ।।-------**आर्य रामवीर ,अध्यक्ष , राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा, हरियाणा**